शीत युद्ध

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बर्लनि की दीवार गरिने (इसे 9 नवंबर, 1989 को ध्वस्त कयिा गया था) की 30वीं वर्षगाँठ मनाई गई जो शीत-युद्ध काल की एक प्रमुख घटना थी।

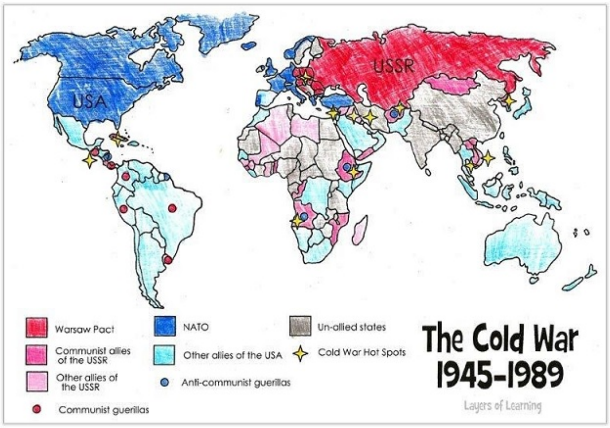

//

शीत युद्ध (Cold War) क्या है?

- शीत युद्ध द्वतीिय वश्वि युद्ध के बाद सोवयित संघ एवं उसके आश्रति देशों (पूर्वी यूरोपीय देश) और संयुक्त राज्य अमेरकिा एवं उसके सहयोगी देशों (पश्चमिी यूरोपीय देश) के बीच **भू-राजनीतकि तनाव की अवधि (1945-1991)** को कहा जाता है।
- द्वतीिय वश्वि युद्ध के बाद वश्वि दो महाशक्तयिों – सोवयित संघ और संयुक्त राज्य अमेरकिा के वर्चस्व वाले दो शक्तसिमूहों में वभिाजति हो गया था।
    - यह पूंजीवादी संयुक्त राज्य अमेरकिा और साम्यवादी सोवयित संघ के बीच वैचारकि युद्ध था जसिमें दोनों महाशक्तयिाँ अपने-अपने समूह के देशों के साथ संलग्न थीं।
- "शीत" (Cold) शब्द का उपयोग इसलयि कयिा जाता है क्योंकदिोनों पक्षों के बीच प्रत्यक्ष रूप से बड़े पैमाने पर कोई युद्ध नहीं हुआ था।
- इस शब्द का पहली बार इस्तेमाल अंग्रेज़ी लेखक जॉर्ज ऑरवेल ने 1945 में प्रकाशति अपने एक लेख में कयिा था।

नोट:

- शीत युद्ध सहयोगी देशों (Allied Countries), जसिमें अमेरकिा के नेतृत्व में यू.के., फ्रांस आदशिामलि थे और सोवयित संघ एवं उसके आश्रति देशों (Satellite States) के बीच शुरू हुआ था।
- **सोवयित संघ (Soviet Union):**
    - सोवयित संघ को आधकिारकि तौर पर **यूनयिन ऑफ सोवयित सोशलसि्ट रपिब्लकि (USSR)** के रूप में जाना जाता था।
    - यह वश्वि का पहला साम्यवादी (Communist) राज्य था जसिकी स्थापना वर्ष 1922 में की गई थी।

शीत युद्ध के कारण:

द्वतीिय वश्वि युद्ध में सहयोगी देश (अमेरकिा, ब्रटिेन और फ्रांस) और सोवयित संघ ने धुरी शक्तयिों (Axis Powers) (नाज़ी जर्मनी, जापान, ऑस्ट्रयिा) के वरिुद्ध साथ मलिकर संघर्ष कयिा था। लेकनि वभिन्नि कारणों से यह युद्धकालीन गठबंधन द्वतीिय वश्वि युद्ध के बाद साथ नहीं रह सका।

पॉट्सडैम सम्मेलन (Potsdam Conference)

- पॉट्सडैम सम्मेलन का आयोजन वर्ष 1945 में बर्लनि में अमेरकिा, ब्रटिेन और सोवयित संघ के बीच नम्निलखिति प्रश्नों पर वचिार करने के लयि कयिा गया था:
    - पराजति जर्मनी में तत्काल प्रशासन की स्थापना।
    - पोलैंड की सीमाओं का नर्धारण।
    - ऑस्ट्रयिा का आधपित्य।
    - पूर्वी यूरोप में सोवयित संघ की भूमकिा।
- सोवयित संघ चाहता था कि पोलैंड के एक भाग (सोवयित संघ की सीमा से लगा क्षेत्र) को बफर ज़ोन के रूप में बनाए रखा जाए कति संयुक्त राज्य अमेरकिा और ब्रटिेन इस मांग से सहमत नहीं थे।
- इसके साथ ही अमेरकिा ने सोवयित संघ को जापान पर गरिाए गए परमाणु बम की सटीक प्रकृति के बारे में कोई सूचना नहीं दी थी। इसने सोवयित संघ के अंदर पश्चमी देशों की मंशा को लेकर एक संदेह पैदा कयिा जसिने गठबंधन संबंध को कटु बनाया।

ट्रूमैन सद्धिांत (Truman's Doctrine)

- ट्रूमैन सद्धिांत की घोषणा 12 मार्च, 1947 को अमेरकिी राष्ट्रपति हैरी एस. ट्रूमैन द्वारा की गई थी।
- ट्रूमैन सद्धिांत सोवयित संघ के साम्यवादी और साम्राज्यवादी प्रयासों पर नयिंत्रण की एक अमेरकिी नीति थी जसिमें दूसरे देशों को आर्थकि सहायता प्रदान करने जैसे ववििध उपाय अपनाए गए।
    - उदाहरण के लयि अमेरकिा ने ग्रीस एवं तुर्की की अर्थव्यवस्था और सेना के समर्थन के लयि वत्तिीय सहायता का अनुमोदन कयिा।
- इतहिासकारों का मानना है कि इसी सद्धिांत की घोषणा से शीत युद्ध के आरंभ की आधकिारकि घोषणा चह्निति होती है।

आयरन कर्टेन (Iron Curtain)

- द्वतीय वश्वि युद्ध के बाद सोवयित संघ द्वारा स्वयं को और उसके आश्रति पूर्वी एवं मध्य यूरोपीय देशों को पश्चमि एवं अन्य गैर-साम्यवादी देशों के साथ खुले संपर्क से अलग रखने के लयि एक राजनीतकि, सैन्य और वैचारकि अवरोध खड़ा कयिा गया जसि 'आयरन कर्टेन' कहा गया।
- 'आयरन कर्टेन' शब्दावली का प्रयोग सर्वप्रथम ब्रटिेन के प्रधानमंत्री वसि्टन चर्चलि द्वारा कयिा गया था।
- इस आयरन कर्टेन के पूर्व में वे देश थे जो सोवयित संघ से जुड़े थे या उससे प्रभावति थे जबकि पश्चमि में वे देश थे जो अमेरकिा और ब्रटिेन के सहयोगी थे या लगभग तटस्थ थे।

शीत युद्ध की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ:

बर्लनि की घेराबंदी (Berlin Blockade), 1948

- जैसे ही सोवयित संघ और सहयोगी देशों के बीच तनाव बढ़ा सोवयित संघ ने वर्ष 1948 में बर्लनि की घेराबंदी शुरू कर दी।
    - बर्लनि की घेराबंदी सोवयित संघ द्वारा सहयोगी देशों के नयिंत्रण वाले बर्लनि क्षेत्र में उनकी गतशीलता को सीमति करने का एक प्रयास था।
- इसके अतरिक्ति 13 अगस्त, 1961 को जर्मन डेमोक्रेटकि रपिब्लकि (पूर्वी जर्मनी) की साम्यवादी सरकार ने पूर्वी और पश्चमी बर्लनि के बीच एक काँटेदार बाड़ और कंक्रीट की दीवार (बर्लनि की दीवार) का नर्माण भी शुरू कर दयिा।
    - इसने मुख्य रूप से पूर्वी बर्लनि से पश्चमी बर्लनि में बड़े पैमाने पर प्रवसन को रोकने के उद्देश्य को पूरा कयिा।
    - वशिेष परस्थितियों को छोड़कर पूर्वी और पश्चमी बर्लनि के लोगों को सीमा पार करने की अनुमति नहीं दी गई थी।
- वर्ष 1989 में बर्लनि की दीवार के ध्वस्त होने से पहले तक यह अमेरकिा और सोवयित संघ के बीच शीत युद्ध का सबसे महत्त्वपूर्ण प्रतीक या स्मारक बना रहा।

बर्लनि की दीवार का इतहिास

- सहयोगी देशों (अमेरकिा, यू.के., फ्रांस) और सोवयित संघ ने साथ मलिकर द्वतिीय वशि्व युद्ध में नाज़ी जर्मनी को पराजति कयिा था जसिके बाद सोवयित संघ और सहयोगी देशों के बीच जर्मनी के क्षेत्रों के भाग्य का फैसला करने के लयि **याल्टा** और **पोट्सडैम सम्मेलन (1945)** आयोजति कयि गए थे।
- सम्मेलन में जर्मनी को रूसी, अमेरकिी, ब्रटिशि और फ्रांसीसी प्रभाव वाले क्षेत्रों में वभिाजति कयिा गया था।
- जर्मनी का पूर्वी भाग सोवयित संघ को प्राप्त हुआ, जबकि पश्चिमी भाग संयुक्त राज्य अमेरकिा, ग्रेट ब्रटिेन और फ्रांस को मलिा।
  - राजधानी के रूप में बर्लनि को भी इसी प्रकार पूर्वी और पश्चमिी भाग में वभिाजति कयिा गया था, यद्यपि बर्लनि रूसी हस्सि वाले जर्मन क्षेत्र के मध्य में स्थति था।
- सहयोगी देशों के नयिंत्रण वाले क्षेत्रों के आपसी वलिय से फेडरल रपिब्लकि ऑफ जर्मनी (FRG) या पश्चमिी जर्मनी का नर्िमाण हुआ, जबकि सोवयित नयिंत्रण वाला क्षेत्र जर्मन डेमोक्रेटकि रपिब्लकि (GDR) या पूर्वी जर्मनी बन गया।
  - बर्लनि का वभिाजन सोवयित संघ और सहयोगी देशों के बीच ववािद का मुख्य कारण बना क्योंकि पश्चमिी बर्लनि साम्यवादी पूर्वी जर्मनी के अंदर स्थति एक द्वीप बन गया था।

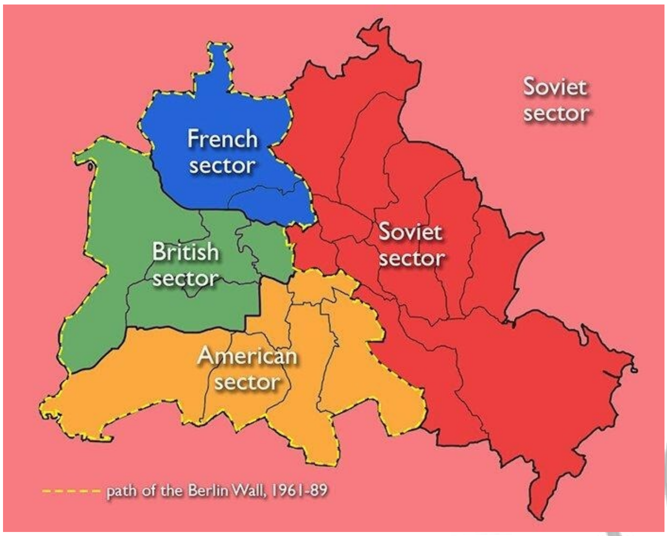

- बर्लनि की दीवार 9 नवंबर, 1989 को ढहा दी गई जसिने शीत युद्ध के प्रतीकात्मक अंत को चन्हिति कयिा।

मार्शल योजना बनाम कमनिफॉर्म

(The Marshall Plan vs The Cominform)

- **मार्शल योजना:**
  - वर्ष 1947 में अमेरकिी वदिेश मंत्री जॉर्ज मार्शल ने यूरोपीय पुनर्नर्िमाण कार्यक्रम (European Recovery Programme - ERP) का अनावरण कयिा जसिमें आवश्यकतानुसार आर्थकि और वत्तिीय मदद की पेशकश की गई।
  - ERP का एक उद्देश्य यूरोप के आर्थकि पुनर्नर्िमाण को प्रोत्साहन देना था। हालाँकि यह ट्रूमैन सद्धिांत का ही आर्थकि वस्तिार था।
- **कमनिफॉर्म:**
  - सोवयित संघ ने मार्शल योजना के संपूर्ण वचिार की 'डॉलर साम्राज्यवाद' (Dollar Imperialism) के रूप में भर्त्सना की।
  - मार्शल योजना पर सोवयित प्रतक्रियिा के रूप में वर्ष 1947 में कमनिफॉर्म (Communist Information Bureau- Cominform) की नींव पड़ी।
  - यह मुख्य रूप से पूर्वी यूरोप के देशों को एक साथ रखने के लयि एक संगठन था।

नाटो बनाम वारसा संधि (NATO vs Warsaw Pact):

- **उत्तरी अटलांटकि संधि संगठन (North Atlantic Treaty Organization- NATO)**
  - सोवयित संघ द्वारा बर्लनि की घेराबंदी ने पश्चमि की सैन्य कमज़ोरी को प्रकट कयिा था जसिसे वे नश्चिति तौर पर सैन्य तैयारी करने को प्रेरति हुए।
  - परणिामस्वरूप वर्ष 1948 में मुख्य रूप से पश्चमिी यूरोप के देशों ने युद्ध के मामले में सैन्य सहयोग का वादा करते हुए ब्रुसेल्स रक्षा संधि (Brussels Defence Treaty) पर हस्ताक्षर कयि।
  - बाद में ब्रुसेल्स रक्षा संधि में अमेरकिा, कनाडा, पुर्तगाल, डेनमार्क, आइसलैंड, इटली और नॉर्वे भी शामलि हो गए तथा अप्रैल 1949 में नाटो (NATO) का गठन हुआ।
  - नाटो देश इनमें से कसिी एक पर भी हमले को सभी देशों पर हमले के रूप में देखने और अपने सैन्य बलों को एक संयुक्त कमान के तहत रखने पर

सहमत हुए।

- **वारसा संधि (Warsaw Pact)**
    - नाटो में पश्चिम जर्मनी के शामिल होने के तुरंत बाद ही सोवियत संघ और उसके आश्रित राज्यों के बीच वारसा संधि (The Warsaw Pact, 1955) पर हस्ताक्षर किये गए।
    - यह एक पारस्परिक रक्षा समझौता था जिसे पश्चिमी देशों ने पश्चिमी जर्मनी की नाटो सदस्यता के विरुद्ध सोवियत प्रतिक्रिया के रूप में देखा था।

अंतरिक्ष में प्रतिस्पर्द्धा (Space Race)

- शीत युद्ध की प्रतिद्विंद्विता में अंतरिक्ष अन्वेषण का एक और नाटकीय क्षेत्र के रूप में उभार हुआ।
- वर्ष 1957 में सोवियत संघ ने **स्पुतनिक I (Sputnik I)** का प्रक्षेपण किया, यह विश्व का पहला मानव निर्मित कृत्रिम उपग्रह था जिसे पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया गया।
- वर्ष 1958 में अमेरिका ने **एक्सप्लोरर I (Explorer I)** नामक अपना पहला उपग्रह प्रक्षेपित किया।
- इस अंतरिक्ष प्रतिस्पर्द्धा में अंततः जीत अमेरिका की हुई जब इसने वर्ष 1969 में सफलतापूर्वक चंद्रमा की सतह पर पहला मानव (नील आर्मस्ट्रांग) भेजा।

हथियारों की प्रतिस्पर्द्धा

- सोवियत संघ पर अमेरिकी नियंत्रण रणनीति ने संयुक्त राज्य अमेरिका को वृहत पैमाने पर हथियारों का संग्रहकर्त्ता बना दिया और प्रतिक्रिया में सोवियत संघ ने भी यही किया।
- वृहत पैमाने पर परमाणु हथियारों का विकास हुआ और विश्व ने परमाणु युग में प्रवेश किया।

क्यूबा मिसाइल संकट, 1962

- क्यूबा भी तब इस शीत युद्ध में शामिल हो गया जब अमेरिका ने वर्ष 1961 में क्यूबा के साथ अपने राजनयिक संबंध तोड़ लिये और सोवियत संघ ने क्यूबा की आर्थिक सहायता में वृद्धि कर दी।
- वर्ष 1961 में अमेरिका ने क्यूबा में **'बे ऑफ पिग्स' (Bay of Pigs)** आक्रमण की योजना बनाई जिसका उद्देश्य सोवियत समर्थित फिदेल कास्त्रो की सत्ता को उखाड़ फेंकना था किंतु अमेरिका का यह अभियान विफल रहा।
- इस घटना के बाद **फिदेल कास्त्रो** ने सोवियत संघ से सैन्य मदद की अपील की जिस पर सोवियत संघ ने क्यूबा में परमाणु मिसाइल लान्चर स्थापित करने का निर्णय लिया जिसका उद्देश्य अमेरिका को लक्ष्य बनाना था।
- क्यूबा मिसाइल संकट ने दोनों महाशक्तियों को परमाणु युद्ध के कगार पर पहुँचा दिया था। हालाँकि कूटनीतिक प्रयासों से इस संकट को टालने में सफलता मिली।

शीत युद्ध का अंत

वर्ष 1991 में कई कारणों से सोवियत संघ का विघटन हो गया जिसने शीत युद्ध की समाप्ति को चिह्नित किया क्योंकि दो महाशक्तियों में से एक अब कमज़ोर पड़ गया था।

सोवियत संघ के विघटन के कारण

- **सैन्य कारण**
    - अंतरिक्ष और हथियारों की प्रतिस्पर्द्धा में सैन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में सोवियत संघ के संसाधनों का बड़ा नुकसान हुआ था।
- ***मिखाइल गोर्बाचेव की नीतियाँ***
    - मृतप्राय होती सोवियत अर्थव्यवस्था में सुधार के लिये गोर्बाचेव ने **'ग्लासनोस्त'**(Openness) और **'पेरेस्त्रोइका'** (Restructuring) नीतियों को अपनाया।
        - ग्लासनोस्त का उद्देश्य राजनीतिक परिदृश्य का उदारीकरण था।
        - पेरेस्त्रोइका का उद्देश्य सरकार द्वारा संचालित उद्योगों के स्थान पर अर्द्ध-मुक्त बाज़ार नीतियों को प्रस्तुत करना था।
        - इसने विभिन्न मंत्रालयों को अधिक स्वतंत्रता से कार्य करने की अनुमति दी और कई बाज़ार अनुकूल सुधारों की शुरुआत हुई।
    - इन कदमों ने साम्यवादी विचार में किसी पुनर्जागरण का प्रवेश कराने के बजाय संपूर्ण सोवियत तंत्र की आलोचना का मार्ग खोल दिया।
        - राज्य ने मीडिया और सार्वजनिक क्षेत्र दोनों के ऊपर अपना नियंत्रण खो दिया तथा पूरे सोवियत संघ में लोकतांत्रिक सुधार आंदोलनों ने गति पकड़ ली।
        - इसके साथ ही बदहाल होती अर्थव्यवस्था, गरीबी, बेरोज़गारी आदि के कारण जनता में असंतोष बढ़ रहा था और वे पश्चिमी विचारधारा एवं जीवनशैली की ओर आकर्षित हो रहे थे।
- **अफगानिस्तान का युद्ध**
    - सोवियत-अफगान युद्ध (1979-89) सोवियत संघ के विघटन का एक अन्य महत्त्वपूर्ण कारण था क्योंकि इसने सोवियत संघ के आर्थिक और सैन्य संसाधनों को काफी क्षति पहुंचाई थी।

नषि्करष

शीत युद्ध की समाप्त नि अमेरकाि की जीत को प्रतबिबिति कयाि और द्वधि्रुवीय वशि्व व्यवस्था एकध्रुवीय वशि्व व्यवस्था में बदल गई।

हालाँक पिछिले एक दशक में वशि्व के सबसे शक्तशिाली देश के रूप में अमेरकाि की स्थत िमें तेज़ी से अस्थरिता आई है। अफ़गानसि्तान और इराक पर अमेरकी आक्रमण, गैर-पारंपरक सुरक्षा खतरे, वैश्वकि आर्थकि अस्थरिता, धार्मकि कट्टरवाद के प्रसार के साथ ही नई आर्थकि शक्तयों (जैसे-जापान, ऑस्ट्रेलयाि, भारत, चीन आद) के उदय ने वशि्व को अधकि बहुध्रुवीय छव प्रदान की है और इसके साथ ही पश्चमि के पतन एवं पूर्व के उदय का पूर्वानुमान लगाया जा रहा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cold-war